भारतीय जनता पार्टी

(केंद्रीय कार्यालय)

6A, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली

11 अगस्त 2018

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह द्वारा कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में आयोजित युवा स्वाभिमान समावेश रैली में दिए गए उद्बोधन के मुख्य बिंदु

युवा स्वाभिमान समावेश रैली इस बात की गवाह है कि पश्चिम बंगाल में परिवर्तन होने जा रहा है और भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने वाली है। इस बार के लोक सभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी 22 से अधिक सीटें जीतेगी, इसमें कोई संशय नहीं है

****

ममता बनर्जी और राहुल गाँधी एनआरसी को रोकने की कितनी भी कोशिश क्यों न कर लें, एनआरसी न्यायिक तरीके से लागू होकर रहेगा। तृणमूल सरकार में घुसपैठ लगातार जारी है, यदि इसे नहीं रोका गया तो पश्चिम बंगाल सुरक्षित नहीं रह पायेगा और घुसपैठ को रोकने का सबसे कारगर तरीका है - एनआरसी

****

ममता बनर्जी आखिर बांग्लादेशी घुसपैठियों को क्यों देश में रखना चाहती हैं? ममता बनर्जी और कांग्रेस पार्टी स्पष्ट करे कि वे देश की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हैं या फिर वोटबैंक की राजनीति को आगे रखना चाहते हैं

****

बांग्लादेशी घुसपैठिये देश की सुरक्षा के लिए ख़तरा हैं लेकिन हम भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता हैं, हमारे लिए देश सबसे पहले है, वोट बैंक हमारे लिए मायने नहीं रखते

****

ममता दीदी, राज्य में चैनलों को बंद कर देने से मेरी आवाज रुकेगी नहीं, मैं राज्य के हर जिले में जाउँगा और जनता हर जगह तृणमूल सरकार की अराजकता के खिलाफ आंदोलन करेगी। लोकतंत्र में जनता की आवाज दबायी नहीं जा सकती

****

आखिर भारतीय जनता पार्टी कैसे पश्चिम बंगाल विरोधी हो सकती है, हम कैसे एंटी-बांग्ला हो सकते हैं जबकि हमारे संस्थापक ही पश्चिम बंगाल के महान सपूत डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी थे

****

भाजपा परिवार के लगभग 65 कार्यकर्ताओं की पश्चिम बंगाल में नृशंस हत्या कर दी गई है। यदि तृणमूल कांग्रेस को ऐसा लगता है कि वह हमारे कार्यकर्ताओं की हत्या कर बच जायेगी तो कम्युनिस्ट पार्टी का शासन याद कर लीजिये, जब जनता जागती है तो हत्या करने वाले को सत्ता छोड़नी ही पड़ती है

****

तृणमूल कांग्रेस देश में दुष्प्रचार कर रही है कि एनआरसी के लागू होने से शरणार्थियों के लिए भी समस्या उत्पन्न हो जायेगी जोकि निराधार है। केंद्र सरकार अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बंगलादेश से आये हिन्दू, बौध और इसाई भाइयों को नागरिकता देने वाला विधेयक लेकर आई है

****

तृणमूल कांग्रेस और ममता बनर्जी लोक सभा चुनाव से पहले स्पष्ट करें कि जब नेशनल सिटिजनशिप बिल लोक सभा में आयेगा, तब आप इसका समर्थन करेंगे या नहीं?

****

आज कल मानवाधिकार की काफी चर्चा हो रही है, मैं तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस पार्टी से पूछना चाहता हूँ कि क्या आपको पश्चिम बंगाल के हिंदू और मुसलमान भाइयों के ह्यूमन राइट्स की चिंता नहीं है? क्या आपको अपने नागरिकों के रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा की चिंता नहीं है?

****

ममता बनर्जी समर्थित सोनिया-मनमोहन की कांग्रेस सरकार ने 13वें वित्त आयोग में पश्चिम बंगाल को विकास के लिए महज 132000 करोड़ रुपये दिए जबकि 14वें वित्त आयोग में मोदी सरकार ने 3,59,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि आवंटित की। इसके अतिरिक्त अन्य परियोजनाओं के लिए भी 24,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि उपलब्ध कराई है

****

जब से पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार आई है, राज्य में भ्रष्टाचार का एक नया रिकॉर्ड स्थापित हुआ है। भ्रष्टाचार और माफिया राज ने पश्चिम बंगाल को अपने गिरफ्त में ले लिया है। राज्य में अपराध के सारे रिकॉर्ड टूट रहे हैं

****

पंचायत चुनाव में करोड़ों लोगों को वोट तक नहीं डालने दिया गया, हमारे कार्यकर्ताओं की हत्या की गई, कई कार्यकर्ताओं को अपाहिज बना दिया गया, फिर भी लगभग 7000 से अधिक सीटों पर भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी विजयी हुए

****

आजादी के समय देश की जीडीपी में पश्चिम बंगाल का योगदान 25% था, कांग्रेस शासन के बाद यह 13% पर आ गया, कम्युनिस्ट पार्टी के शासन के बाद यह महज 4% का रह गया और ममता बनर्जी जी के कार्यकाल में अब यह 3% पर आ गया है

****

कांग्रेस पार्टी, तृणमूल कांग्रेस या कम्युनिस्ट पार्टी पश्चिम बंगाल का विकास नहीं कर सकती जबकि राज्य की जनता ने तीनों पार्टियों को बराबर मौके दिए। आप एक मौक़ा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी को दीजिये, हम पश्चिम बंगाल में विकास के सतत प्रवाह को सुनिश्चित करेंगे

****

ममता बनर्जी किस प्रकार का पश्चिम बंगाल बनाना चाहती है जहां दुर्गा पूजा में माँ दुर्गा की मूर्ति का विसर्जन नहीं करने दिया जाता, विद्यालयों में सरस्वती पूजा नहीं करने दी जाती! एक बार पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बना दीजिये, दुर्गा पूजा और सरस्वती पूजा को कोई नहीं रोक सकता

****

भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता पश्चिम बंगाल के गाँव-गाँव, घर-घर जायेंगे और ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस सरकार के काले कारनामों को जनता के सामने उजागर करेंगे

****

देश में भारतीय जनता पार्टी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास' और 'अन्त्योदय' के सिद्धांत पर चलते हुए राष्ट्र के विकास के प्रति कृतसंकल्पित है

****

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने आज कोलकाता (पश्चिम बंगाल) के मेयो रोड में भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा आहूत विशाल "युवा स्वाभिमान समावेश रैली" को संबोधित किया और राज्य की जनता से हिंसा और तुष्टीकरण की राजनीति करने वाली ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस को जड़ से उखाड़ फेंकने का आह्वान किया।

श्री शाह ने कहा कि **युवा स्वाभिमान समावेश रैली इस बात का गवाह है कि पश्चिम बंगाल में परिवर्तन होने जा रहा है और भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने वाली है।** उन्होंने कहा कि **इस बार के लोक सभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी 22 से अधिक सीटें जीतेगी, इसमें कोई संशय नहीं है।** अपने उद्बोधन की शुरुआत में उन्होंने स्वामी रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, श्री रबीन्द्रनाथ टैगोर, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, चैतन्य महाप्रभु और काजी नजरुल इस्लाम को याद करते हुए भारतीय जन संघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी का पुण्य स्मरण किया। उन्होंने देश की आजादी के लिए 18 वर्ष की आयु में ही अपने प्राणों

की आहुति देने वाले स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी वीर खुदीराम बोस के शहादत दिवस पर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की उनके जीवन से प्रेरणा लेने की अपील की।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि हालांकि भारतीय जनता पार्टी की ये रैली काफी समय पहले से ही प्रस्तावित है लेकिन फिर भी तृणमूल कांग्रेस और ममता बनर्जी सरकार द्वारा इसमें कई प्रकार के व्यवधान डाले गए, सभी बांग्ला चैनल को डाउन कर दिया गया ताकि पश्चिम बंगाल की जनता का राज्य सरकार के खिलाफ आक्रोश लोगों तक न पहुँच पाए। उन्होंने कहा कि **ममता दीदी, आपके आवाज दबाने से रुकेगी नहीं, मैं राज्य के हर जिले में जाउंगा और जनता हर जगह तृणमूल सरकार की अराजकता के खिलाफ आंदोलन करेगी।** उन्होंने कहा कि **इतिहास इसका गवाह रहा है कि जिन्होंने भी जनता की आवाज को दबाने का प्रयास किया है, उन्हें मुंह की खानी पड़ी है और जनता की आवाज और मुखर होकर सामने आई है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता की आवाज दबायी नहीं जा सकती।**

तृणमूल कांग्रेस द्वारा भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ बांग्ला विरोधी दुष्प्रचार पर राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आड़े हाथों लेते हुए श्री शाह ने कहा कि **आखिर भारतीय जनता पार्टी कैसे पश्चिम बंगाल विरोधी हो सकती है, हम कैसे एंटी-बांग्ला हो सकते हैं जबकि हमारे संस्थापक ही पश्चिम बंगाल के महान सपूत डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी थे।** उन्होंने कहा कि **हम वोटबैंक और तुष्टीकरण की राजनीति नहीं करते बल्कि हम स्वामी रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, श्री रबीन्द्रनाथ टैगोर जी को हृदय में बसा कर उनके आदर्शों व विचारों पर चलने वाले लोग हैं।** उन्होंने कहा कि **हम पश्चिम बंगाल विरोधी नहीं हैं, हाँ लेकिन ममता बनर्जी सरकार विरोधी जरूर हैं।**

एनआरसी मुद्दे पर बोलते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि आखिर एनआरसी है क्या - यह असम से विदेशी घुसपैठियों को चुन-चुन कर बाहर निकालने की प्रक्रिया है, क्या विदेशी घुसपैठियों को बाहर निकालना चाहिए या नहीं? (जनता ने एकस्वर से कहा कि हर घुसपैठिये को देश से बाहर निकालना चाहिए)। उन्होंने कहा कि **ममता दीदी, आपके रोकने से एनआरसी की प्रक्रिया रुकेगी नहीं, चाहे आप एनआरसी को रोकने की कितनी भी कोशिश क्यों न कर लें, चाहे राहुल गाँधी भी इसका विरोध करें लेकिन हमारा यह कमिटमेंट है - एनआरसी को न्यायिक तरीके से लागू कर एक-एक घुसपैठिये को हम चिह्नित करके रहेंगे।** ममता बनर्जी जवाब दें कि **आखिर वह बांग्लादेशी घुसपैठियों को क्यों देश में रखना चाहती हैं?**

श्री शाह ने कहा कि **यही ममता दीदी 2005 में बांग्लादेशी घुसपैठियों के विरोध में झंडा बुलंद किये हुये थीं क्योंकि ये घुसपैठिये कम्युनिस्ट पार्टी के वोटबैंक हुआ करते थे।** तब ममता बनर्जी ने लोकसभा में स्पीकर पर पर्चे फेंके थे और संसद को ठप्प कर दिया था लेकिन आज जब पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार है और बांग्लादेशी घुसपैठिये तृणमूल कांग्रेस के वोट बैंक चुके हैं तो अब ममता बनर्जी उन घुसपैठियों को देश में, पश्चिम बंगाल में और असम में रखना चाहती है। उन्होंने कहा कि **ममता बनर्जी और कांग्रेस पार्टी स्पष्ट करे कि वे देश की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हैं या फिर वोटबैंक की राजनीति को आगे रखना चाहते हैं।** उन्होंने कहा कि **एनआरसी 'असम एकॉर्ड' के तहत काम कर रही है जिसे राजीव गाँधी जी ने बनाया था। उस वक्त तो कांग्रेस**

पार्टी को इसमें कोई समस्या नजर नहीं आई लेकिन वोटबैंक की राजनीति के लिए कांग्रेस पार्टी अपना स्टैंड स्पष्ट नहीं कर रही और उसने देश की सुरक्षा से समझौता कर लिया है। उन्होंने कहा कि **बांग्लादेशी घुसपैठिये देश की सुरक्षा के लिए ख़तरा हैं लेकिन हम भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता हैं, हमारे लिए देश सबसे पहले है, वोट बैंक हमारे लिए मायने नहीं रखते।**

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि **तृणमूल कांग्रेस देश में दुष्प्रचार कर रही है कि एनआरसी के लागू होने से शरणार्थियों के लिए भी समस्या उत्पन्न हो जायेगी जोकि निराधार है।** उन्होंने कहा कि **मैं देश में रहने वाले सभी शरणार्थियों को आश्वस्त करना चाहता हूँ कि भारतीय जनता पार्टी नेशनल सिटिजनशिप बिल, 2016 लेकर आई है जिसके तहत अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश से आये हुए इसाई, बौद्ध और हिन्दू शरणार्थियों को नागरिकता देने का प्रावधान है।** उन्होंने कहा कि **शरणार्थियों को भारत में रखना भारत सरकार की जिम्मेदारी है लेकिन तृणमूल कांग्रेस और ममता बनर्जी लोक सभा चुनाव से पहले स्पष्ट करें कि जब नेशनल सिटिजनशिप बिल लोक सभा में आयेगा, तब आप इसका समर्थन करेंगे या नहीं?** क्या वह अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश से आये हुए इसाई, **बौद्ध** और हिन्दू शरणार्थियों को नागरिकता देने के पक्ष में हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि आजकल विदेशी घुसपैठियों के मानवाधिकार को लेकर काफी चर्चा हो रही है कि उनके ह्यूमन राइट्स का क्या होगा? उन्होंने कहा कि **मैं तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस पार्टी से पूछना चाहता हूँ कि क्या आपको पश्चिम बंगाल के हिंदू और मुसलमान भाइयों के ह्यूमन राइट्स की चिंता नहीं है? क्या आपको अपने नागरिकों के रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा की चिंता नहीं है? क्या आपको यह नहीं पता कि बांग्लादेशी घुसपैठिये राज्य के हिन्दू एवं मुसलमान भाइयों के अधिकार को हड़पते जा रहे हैं?** उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के हिंदू एवं मुसलमान भाइयों के अधिकारों की चिंता केवल और केवल भारतीय जनता पार्टी ही कर रही है।

पश्चिम बंगाल में हो रहे अवैध घुसपैठ पर राज्य की ममता बनर्जी सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए श्री शाह ने कहा कि **तृणमूल सरकार में पश्चिम बंगाल में घुसपैठ लगातार जारी है, यदि इसे नहीं रोका गया तो पश्चिम बंगाल सलामत नहीं रह पायेगा और घुसपैठ को रोकने का सबसे कारगर तरीका है - एनआरसी, इसलिए इसे कारगर तरीके से लागू किया जाना चाहिए।**

राज्य में भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि **जब से पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार आई है, राज्य में भ्रष्टाचार का एक नया रिकॉर्ड स्थापित हुआ है। नारदा, सारदा, रोज वैली, सिंडिकेट का भ्रष्टाचार, भतीजे का भ्रष्टाचार - भ्रष्टाचार की एक पूरी सीरीज ममता बनर्जी सरकार में अनवरत जारी है और कोल, पोर्ट व कैटल माफियाओं ने पश्चिम बंगाल को अपने गिरफ्त में ले लिया है।** उन्होंने राज्य की जनता से अपील करते हुए कहा कि **यदि पश्चिम बंगाल को भ्रष्टाचार और माफियाओं के चंगुल से मुक्त करना है तो राज्य में भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनानी होगी।**

पश्चिम बंगाल की दयनीय क़ानून-व्यवस्था पर निशाना साधते हुए श्री शाह ने कहा कि **जिस राज्य में पहले रबीन्द्र संगीत, चैतन्य महाप्रभु के संगीत और स्वामी रामकृष्ण परमहंस एवं स्वामी विवेकानंद जी के सुविचारो सुनाई देते थे, आज वहां केवल बम धमाकों की आवाजें सुनाई देती हैं।** उन्होंने कहा कि **राज्य के सारे उद्योग एवं कल-कारखाने ठप्प पड़े हुए हैं और केवल बम-**

पिस्तौल के कारखाने खुले हुए हैं। उन्होंने कहा कि **पश्चिम बंगाल में अपराध के सारे रिकॉर्ड टूट रहे हैं। यदि राज्य की जनता को पुराना सांस्कृतिक बंगाल चाहिए तो तृणमूल कांग्रेस की जगह भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनानी होगी।**

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि अभी हाल ही में पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव संपन्न हुए, इसमें भी तृणमूल कांग्रेस की सरकार ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। उन्होंने कहा कि **पूरे देश में आज तक किसी भी पंचायत चुनाव में 5% से ज्यादा सीटों पर निर्विरोध चुनाव नहीं हुआ लेकिन पश्चिम बंगाल में 35% सीटों पर कोई चुनाव ही नहीं हुआ। तृणमूल कांग्रेस द्वारा या तो चुनाव लड़ रहे कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई या फिर उन्हें डरा-धमका कर चुनाव से दूर रहने के लिए मजबूर किया गया।** उन्होंने कहा कि **भाजपा परिवार के लगभग 65 कार्यकर्ताओं की नृशंस हत्या कर दी गई। उन्होंने ममता बनर्जी को चुनौती देते हुए कहा कि यदि आपकी पार्टी को ऐसा लगता है कि आप हमारे कार्यकर्ताओं की हत्या कर बच जायेगी तो कम्युनिस्ट पार्टी का शासन याद कर लीजिये। जब जनता जागती है तो हत्या करने वाले को सत्ता छोड़ना ही पड़ता है।** उन्होंने कहा कि **पंचायत चुनाव में करोड़ों लोगों को वोट तक नहीं डालने दिया गया, हमारे कार्यकर्ताओं की हत्या की गई, कई कार्यकर्ताओं को अपाहिज बना दिया गया, फिर भी लगभग 7000 से अधिक सीटों पर भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी विजयी हुए।** उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि **हमारी 19 राज्य सरकारों का कोई मतलब नहीं है जब तक कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार नहीं बन जाती।**

श्री शाह ने कहा कि **आजादी के समय देश की जीडीपी में पश्चिम बंगाल का योगदान 25% था, कांग्रेस शासन के बाद यह 13% पर आ गया, कम्युनिस्ट पार्टी के शासन के बाद पश्चिम बंगाल का देश की जीडीपी में योगदान महज 4% का रह गया और परिवर्तन का नारा देकर राज्य की सत्ता पर बैठने वाली ममता बनर्जी जी के कार्यकाल में अब यह 3% पर आ गई है।** उन्होंने कहा कि **कांग्रेस पार्टी, तृणमूल कांग्रेस या कम्युनिस्ट पार्टी पश्चिम बंगाल का विकास नहीं कर सकती जबकि राज्य की जनता ने तीनों पार्टियों को बराबर मौके दिए।** उन्होंने राज्य की जनता का आह्वान करते हुए कहा कि **आप एक मौक़ा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी को दीजिये, हम पश्चिम बंगाल में विकास के सतत प्रवाह को सुनिश्चित करेंगे।**

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि **जब केंद्र में सोनिया-मनमोहन के नेतृत्व में राहुल गाँधी के कांग्रेस की सरकार थी और ममता बनर्जी भी उनके समर्थन में खड़ी थी तो 13वें वित्त आयोग में यूपीए सरकार ने पश्चिम बंगाल के विकास के लिए महज 132000 करोड़ रुपये दिए जबकि 14वें वित्त आयोग में मोदी सरकार ने राज्य के विकास के लिए 3,59,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि आवंटित की जो ममता बनर्जी समर्थित कांग्रेस सरकार से लगभग ढाई गुना अधिक है।** उन्होंने कहा कि **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पश्चिम बंगाल के विकास के लिए पैसे तो भेजे लेकिन यह पैसा राज्य के विकास एवं गरीब जनता की भलाई में लगने के बजाय तृणमूल कांग्रेस के सिंडिकेट और भतीजे के भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया।** उन्होंने कहा कि **3,59,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त मोदी सरकार ने अन्य परियोजनाओं के लिए राज्य को लगभग 24,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि उपलब्ध कराई है।** उन्होंने कहा कि मुद्रा योजना के तहत राज्य के एक करोड़ से अधिक युवाओं को स्वरोजगार के लिए 45,000 करोड़ से

अधिक की राशि उपलब्ध कराई गई है, जन-धन योजना में राज्य में तीन करोड़ से अधिक लोगों के बैंक खाते खोले गए हैं, उजाला योजना के तहत राज्य में एक करोड़ एलईडी बल्ब वितरित किये गए हैं, पांच लाख गरीब महिलाओं को गैस सिलिंडर उपलब्ध काराया गया है और 'सौभाग्य' योजना के तहत राज्य में तीन लाख से अधिक घरों में बिजली पहुंचाई गई है।

श्री शाह ने कहा कि **ममता बनर्जी किस प्रकार का पश्चिम बंगाल बनाना चाहती है जहां दुर्गा पूजा में माँ दुर्गा की मूर्ति का विसर्जन नहीं करने दिया जाता, विद्यालयों में सरस्वती पूजा नहीं करने दी जाती!** उन्होंने राज्य की जनता को आश्वस्त करते हुए कहा कि **एक बार पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बना दीजिये, दुर्गा पूजा और सरस्वती पूजा को कोई नहीं रोक सकता।** उन्होंने ममता बनर्जी को चुनौती देते हुए कहा कि **तुष्टीकरण और वोटबैंक की राजनीति की भी एक सीमा होती है, आप देश की सुरक्षा को ताक पर रखते हुए रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों को देश में रखना चाहती हैं, मेरी आवाज को राज्य की जनता तक न पहुँचने देाने के लिए चैनल को बंद करा देती हैं लेकिन मुझे अपने कार्यकर्ताओं पर भरोसा है, वे राज्य के गाँव-गाँव, घर-घर जायेंगे और आपके काले कारनामों को उजागर करेंगे।** उन्होंने कहा कि **यदि पश्चिम बंगाल को विकास के रास्ते पर आगे बढ़ना है तो कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस का गठबंधन कभी काम नहीं कर सकता, कम्युनिस्ट पार्टी का इतिहास तो देश को मालूम ही नहीं है।** उन्होंने कहा कि **देश में भारतीय जनता पार्टी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो 'सबका साथ, सबका विकास' और 'अन्त्योदय' के सिद्धांत पर चलते हुए राष्ट्र के विकास के प्रति कृतसंकल्पित है।**

(महेंद्र पांडेय)
कार्यालय सचिव